भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
12.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2235 का उत्तर

केरल में ट्रेनों में भीडभाड़

2235. डॉ. शशि थरूर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने केरल में चलने वाली रेलगाड़ियों में भीड़भाड़ की स्थिति का आकलन करने के लिए कोई अध्ययन कराया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार को उच्च गति वाली रेलगाड़ियों के लिए तिरूवनंतपुरम और मंगलुरु के बीच तीसरी और चौथी लाइन चलाने के लिए केरल से कोई अनुरोध प्राप्त हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो यह देखते हुए कि केरल में उत्तर-दक्षिण दिशा में तिरूवनंतपुरम और मंगलुरु को जोड़ने वाली 90% रेलगाड़ियां अत्यधिक भीड़भाड़ वाली हैं और मौजूदा रेल लाइनें अत्यधिक संतृप्त हो गई हैं, इस दिशा में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ) भारतीय रेल पर, मांग का स्वरूप पूरे वर्ष एकसमान नहीं रहता है और यह कम व्यस्त अवधि और व्यस्त अवधि के दौरान भिन्न-भिन्न होता है। व्यस्त अवधि के दौरान, विशेष रूप से लोकप्रिय मार्गों पर रेलगाड़ियों में भीड़ अधिक रहती है जबकि कम व्यस्त अवधि के दौरान और कम लोकप्रिय मार्गों पर, कम उपयोगिता होती है।

भारतीय रेल मांग स्वरूप की निरंतर निगरानी करती है और नई रेलगाड़ियां शुरू करके, मौजूदा रेलगाड़ियों के विस्तार और फेरों में वृद्धि करके यात्रा करने वाले यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास करती है। यात्रियों के लिए स्थान बढ़ाने के लिए मौजूदा रेलगाड़ियों की क्षमता अस्थायी और स्थायी दोनों आधार पर बढ़ाई जाती हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल त्यौहारों, छुट्टियों आदि के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त ज़रूरतों को पूरा करने और नियमित रेलगाड़ियों में उपलब्ध स्थानों के पूरक के रूप में स्पेशल रेल सेवाएँ भी परिचालित करती है। तदनुसार, तिरुवनंतपुरम और मंगलुरु खंड की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल ने वर्ष 2024-2025 (फरवरी, 2025 तक) के दौरान स्पेशल रेल सेवाओं के 416 फेरे परिचालित किए और 7 सवारी डिब्बों का उपयोग करते हुए 03 जोड़ी रेल सेवाओं का विस्तार किया।

यात्रियों की सुविधा के लिए, वर्तमान में दो जोड़ी रेलगाड़ी यथा 06031/06032 शोरानूर - कन्नूर पैसेंजर स्पेशल और 06169/06170 कोल्लम - एर्नाकुलम मेमू एक्सप्रेस स्पेशल क्रमशः दिनांक 01-11-2024 और दिनांक 07-10-2024 से परिचालित की गई हैं, जो इस क्षेत्र में सेवित करने वाली 14 नियमित रेलगाड़ियों के अतिरिक्त हैं।

रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृत/निष्पादन क्षेत्रीय रेलवार किया जाता है, न कि राज्यवार/जिलावार, क्योंकि रेलवे की परियोजनाएं राज्य/जिला सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

मंगलुरु - शोरानूर के बीच तीसरी और चौथी लाइन और शोरानूर - एर्नाकुलम - कोट्टायम - तिरुवनंतपुरम के बीच तीसरी लाइन के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण को स्वीकृति दे दी गई है।

रेल परियोजनाओं को मंजूरी देना भारतीय रेल पर सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। रेलवे की अवसंरचनात्मक परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम स्थान संपर्कता,

मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्ग, संकुलित/संतृप्त क्षेत्रों में लाइनों की वृद्धि, सामाजिक-आर्थिक विचार आदि के आधार पर शुरू किया जाता है जो चालू परियोजनाओं की देनदारियों, धन की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों के अध्यधीन है।

केरल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार हैः

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹372 करोड़ रु./वर्ष
2024-25	₹3,011 करोड़ रु. (8 गुना से अधिक)

यद्यपि निधि आबंटन में कई गुना वृद्धि हुई है, परन्तु परियोजना के निष्पादन की गति शीघ्र भूमि अधिग्रहण पर निर्भर करती है। रेलवे राज्य सरकार के माध्यम से भूमि अधिग्रहण किया जाता है और रेल परियोजनाओं का पूरा होना भूमि अधिग्रहण पर निर्भर करता है। बहरहाल, केरल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलम्ब के कारण रुका हुआ है। केरल राज्य में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार हैः

केरल में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	475 हेक्टेयर
अधिगृहीत भूमि	66 हेक्टेयर (13%)
अधिग्रहण के लिए शेष भूमि	411 हेक्टेयर (87%)

भारत सरकार परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए तैयार है, बहरहाल इनका पूरा होना केरल सरकार के सहयोग पर निर्भर करता है। रेलवे ने भूमि अधिग्रहण के लिए केरल राज्य सरकार को 2111.83 करोड़ रु. जमा कराए हैं।

भूमि अधिग्रहण कार्य में तेजी लाने के लिए केरल सरकार के सहयोग की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण के लिए शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	अंगमाली-सबरीमाला नई लाइन (111 कि.मी.)	416	24.4	391.6
2.	एर्णाकुलम - कुम्बलम कहीं-कहीं दोहरीकरण (8 कि.मी.)	4.2	1.59	2.61
3.	कुम्बलम - तुरवूर कहीं-कहीं दोहरीकरण (16 कि.मी.)	10.3	5.30	5
4.	त्रिवेंद्रम - कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 कि.मी.)	40.15	32.69	7.46
5.	षोरणूर - वल्लतोल दोहरीकरण (10 कि.मी.)	4.77	0	4.77

*****